

10-871

वकील पारिवारी उपाख्ये। वाही एवं उखी  
आदिआपसु को बरि वार आणात बगवार्  
गई कोरि हाजिर जाकास नही आगा और  
नाही कोरि आखिन आया। आका इका  
वाही अरुम हाजिरी व अरुम पैरवी में  
खरिज बिना पंगना ही पकापकी किललशुभा  
लेकर हसि जाला शाखिल दफ्तर ही।

10  
बिपखण्डाधिकारी  
धौपुर (राज०)